AZAD CGPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

AZAD CGPSC ACADEMY

मौर्य/अशोक काल संबंधी महत्वपूर्ण तथ्य

लघु शिलालेख

- ये शिलालेख 14 शिलालेखों के मुख्य वर्ग में सम्मिलित नहीं है और इस कारण इन्हे लघु शिलालेख कहा गया हैं।

AZAD CGPSC ACADEMY

स्थल	राज्य	जिला
1. रूपनाथ	मध्य प्रदेश	जबलपुर
2. गुजर्रा	मध्य प्रदेश	दतिया
3. सहसाराम	बिहार	सहसाराम
4. भबू (वैराट)	राजस्थान	जयपुर
5. मास्की	कर्नाटक	रायचूर
6. ब्रहगिरि	कर्नाटक	चित्तलदुर्ग
7. सिद्धपुर	ब्रह्मगिरि	चिंतल दुर्ग
8. जटिंगरामेश्वर	ब्रह्मगिरि	पश्चिमी क्षेत्र
9. एर्रगुडि	आंध्र	कर्नूल

AZAD CGPSC ACADEMY

10. गोविमठ	मैसूर	कोपबल
11. पालकिगुण्डु	गोविमठ	समीपवर्ती क्षेत्र
12. राजुल मद्धगिरि	आंध्र	कर्नूल
13. अहरौरा	उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर

मौर्यकालीन प्रमुख अधिकारी

अधिकारी **कार्य**

1. अमात्य...................................योग्य अधिकारियों का समूह
2. अग्रामात्य.................................. प्रधानमंत्री का पद
3. महामात्य........................... .... प्रमुख अमात्य नगरों का अधिकारी
4. प्रदेष्टा.....................................मंडल का प्रमुख/प्रधा अधिकारी

AZAD CGPSC ACADEMY

5. ऐस्ट्रोनोमोई.. नगर का अधिकारी

6. रूपदर्शक.................................. सिक्कों की जांचकर्ता प्रधान अधिकारी

7. सौवर्णिक.. टकसाल का प्रमुख अधिकारी

8. व्यावहारिक................................... दीवानी न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

9. समाहर्ता... कर निर्धारण का सर्वोच्च अधिकारी

10. सन्निधाताय............................ राजकीय कोषागार और भंडागर का संरक्षक।

11. धम्ममामात्र........................ समाज में सामंजस्य की स्थिति बनाए रखना।

12. अन्तः महामात्र................ सीमावर्ती क्षेत्रों में धर्म प्रचार करने वाला अधिकारीं।

13. स्त्राध्यक्ष.................. महिलाओं के नैतिक आचरण को देखने वाला अधिकारी।

14. राजुक................................ साम्राज्य में न्याय व राजस्व का अधिकारी।

15. युक्तक...................... जिला में राजस्व वसूली का कार्य करने वाले अधिकारी।

16. महामात्यापर्सप.................................. गुप्तचर विभग का प्रधान।

AZAD CGPSC
ACADEMY

मौर्यकालीन अध्यक्ष

मौर्यकालीन में अध्यक्ष, मंत्रियों के निरीक्षण में काम करने वाले अधिकारी थे। अर्थशास्त्र के अनुसार, इनको संख्या 27 थी।

तीर्थ	संबंधित विभाग या कार्य
1. सुराध्यक्ष	आबकारी विषयों का अध्यक्ष
2. मुद्राध्यक्ष	राजकीय चिन्ह, मुद्रा तथा पासपोर्ट स संबंधित अधिकारी।
3. शुल्काध्यक्ष	राजकीय धन, जुर्माने से संबंधित अधिकारी।
4. लक्षणाध्यक्ष	टकसाल का अध्यक्ष।
5. कोषाध्यक्ष	राजकीय कोष या खजाने का प्रमुख अधिकारी

AZAD CGPSC ACADEMY

6. लौहाध्यक्ष .... लौह विभाग का अध्यक्ष

7. आकाराध्यक्ष .... खानों का अध्यक्ष

8. सीताध्यक्ष .... राजकीय भूमि

9. सूत्राध्यक्ष .... कताई, बुनाई व सूत का अध्यक्ष

10. कोष्ठागारध्यक्ष .... कोष्ठागार का अध्यक्ष

11. स्वर्णाध्यक्ष .... कोष्ठागार का अध्यक्ष

12. लवणाध्यक्ष .... नमक विभाग का अध्यक्ष

13. संस्थाध्यक्ष .... व्यापार प्रबंधक

14. गणिकाध्यक्ष .... गणिकाओं या वेश्यालयों का निरीक्षक

15. पत्तनाध्यक्ष .... बंदरगाहों का अधिकारी।

AZAD CGPSC ACADEMY

16. द्यूताध्यक्ष.. ..जुआ का निरीक्षक

17. नवाध्यक्ष...पशु निरीक्षक

18. नौकाध्यक्ष...................................... .जलमार्ग के यातायात का अध्यक्ष

19. विविताध्यक्ष...चारागाहों का अध्यक्ष

20. बंधनगाराध्यक्ष...जेल विभाग का अध्यक्ष

21. सूनाध्यक्ष...कसाईखाने का अध्यक्ष

22. मानाध्यक्ष.......................समय तथा स्थान का निर्णय करने वाला अधिकारी।

23. पण्याध्यक्ष..राजकीय व्यवसाय का अध्यक्ष

24. कुण्याध्यक्ष..वनों से संबंधित कार्यो का अध्यक्ष

25. आयुधाध्यक्ष...................अस्त्र –शस्त्र के निमार्ण व कारखानों का अध्यक्ष

AZAD CGPSC ACADEMY

26. पौतवाध्यक्ष.......................................नाप–तौल बाट व तराजू का अध्यक्ष

27. सैन्यविभागाध्यक्ष..................अश्व, रथ पदाति तथा गज सेना के विविध अध्यक्ष।

मौर्यकालीन तीर्थ

मौर्यकालीन में सबसे उच्च स्तर के अधिकारी तीर्थ कहे जाते थे। अर्थशास्त्र के अनुसार इनकी संख्या 18 थी।

तीर्थ	संबंधित विभाग का कार्य
1. मंत्री/पुरोहित	प्रधानमंत्री तथा प्रमुख धर्माधिकारी थे।
2. सन्निधता	राजकीय कोषागार का प्रधान अधिकारी (कोषाध्यक्ष)

AZAD CGPSC ACADEMY

3. समाहर्ता	राजस्व विभाग का सर्वोच्च अधिकारी, वित्तमंत्री (करसंग्राहक)
4. युवराज	राजा का उत्तराधिकारी
5. सेनापति	सेनाध्यक्ष (सर्वोच्च सैन्य कमांडर)
6. नायक	सेना का संचालक
7. व्यावहारिक	दीवानी न्यायालय का न्यायाधीश
8. प्रदेष्टा	फौजदारी न्यायालय का न्यायाधीश
9. मंत्रिपरिषदाध्यक्ष	मंत्री परिषद का अध्यक्ष
10. कर्मान्तिक	उद्योग धंधो का प्रधान निरीक्षक
11. प्रशास्ता	राजकीय आज्ञाओं को लिपिबद्ध करने तथा राजीय दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाला प्रधान अधिकारी।

AZAD CGPSC
ACADEMY

12. दण्डपाल	सैन्य सामगी का प्रबंध करने वाला अधिकारी
13. दुर्गपाल	देश के भीतरी दुर्गो का प्रबंधक
14. अंतपाल	सीमाबर्ती दुर्गो का रक्षक
15. नागरक	नगर का सर्वोच्च अधिकारी
16. अंतर्वशिक	सम्राट की अंगरक्षक सेना का प्रधान
17. दौवारिक	राजमहल का प्रबंध व देखरेख करने वाला प्रधान अधिकारी।
18. आटविक	वन विभग का सर्वोच्च अधिकारी

AZAD CGPSC ACADEMY

अशोक के शिलालेख विश्व धरोहर

- कलिंग युद्ध में 2 लाख से अधिक हत्या करने वाले अशोक कैसे अहिंसावादी बन गए और कैसे उनका ह्रदय परिवर्तन हुआ। 262 ईसा पूर्व उनके शिलालेखों पर दर्ज उनकी कहानी विश्व धरोहर के रूप में समूचे विश्व मे जानी जायेगी।
- संस्कृति मंत्रालय ने देहरादूर के पास कालसी स्थित अशोक शिलालेख समेत देश व विदेशी भूमि पर स्थित कूल 08 शिलालेखों की विश्व धरोहर बनाने के प्रस्ताव की स्वीकृति 13 जलाई 2012 को दी गया।

AZAD CGPSC ACADEMY

अशोक के प्रमुख शिलालेख

स्थल	जिला	प्रदेश
1. कालसी	देहरादून	उत्तराखण्ड
2. गिरनार	जूनागढ़	गुजरात
3. एर्रागुड्डी	कर्नूल	कर्नाटक
4. सोपारा	ठाणे	महाराष्ट्र
5. जौगढ़	गंजाम	ओडिशा
6. धौली	पूरी	ओडिशा
7. शाहबाज गढ़ी	मर्दान	अफगानिस्तान
8. मानसेहरा	मानसेरा	पाक–अफगान सीमा

पृथक कलिंग प्रज्ञापन

धौली व जौगढ़ के शिलालेख पर 11वें ,12वें व 13वें शिलालेख उतकीर्ण नही है। उनके स्थान पर 2 अन्य लेख खुद्दे है जिन्हे पृथक कलिंग प्रज्ञापन कहते हैं।

AZAD CGPSC ACADEMY

चाणक्य कौन थे ?

- चाणक्य के बचपन का नाम विष्णुगुप्त था। ये तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षक थे। इनके पिता चणक थे।
- चाणक्य को भारत का मैकियावेली भी कहा जाता हैं। इसका उपनाम कौटिल्य था। जो लोक प्रशासन को प्रथम प्रमाणिक पुस्तक अर्थशास्त्र को रचना चाणक्य ने की थी।
- अर्थशास्त्र (जो 15 अभिकरणों / खंड़ों में विभाजित है) के अनुसार राज्य के 7 अंग स्वामी (राजा), अमात्य,मित्र सेना, कोष, दुर्ग एवं जनपद बताए गए हैं।
- पुराणों में चन्द्रगुप्त को श्रेष्ठ ब्राह्मण (द्विजर्षभ)कहा गया हैं।
- कौटिल्य के अनुसार राजा धर्मप्रवर्तक (सामाजिक व्यवस्था) का संचालक होता हैं।

AZAD CGP
ACADEMY

मौर्य सामान्य के पतन के कारण

1. अयोग्य व निर्बल उत्तराधिकारी
2. प्रशासन का अतिशय केंद्रीयकरण
3. राष्ट्रीय चेतना का अभाव
4. प्रांतीय शासकों के अत्याचार
5. करों की अधिकता

अशोक द्वारा भेजे गये दूत

दूत		विदेशी राजा
1. अन्तियोक	....	सीरिया क राजा एंटियोकस थियोस।
2. तुरमय	....	मिस्र के राजा टालमी फिलोडेलफस
3. अत्निकिनी	....	मकदूनिया के राजा एंटिगोनस
4. मल	....	सीरिन के राजा मागस
5. अलिकसुंदर	....	एपिरस के राजा अलेक्जेंडर

AZAD CGPSC
ACADEMY

AZAD IAS ACADEMY

Online/ Offline Batch

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Azad Publication

Our Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

AZAD CGPSC ACADEMY